

खुश रहने के दस सिध्दान्त-वेदो के आधार पर

1. हर विचार के लिये मस्तिष्क को खुला रखे
किसी भी वस्तु व व्यक्ति से अपने को जुडा न माने । यदि जुडना है तो परमात्मा से जुडे जिससे हम सभी जुडे हैं ।
2. वह आप दे नही सकते जो आपके पास नही है
इस तरह आप गुस्से व डर से खाली रहेगे जब यह आपके पास आये आप उनकी दिशा बदल दें । जैसा आप बीज बोयेगे वैसा ही काटेगे, जैसा हम चाहते है वैसा ही हमे मिलता है उसी तरह की बातो को हम अपने तक आने देते हैं ।
3. किसी से भी नराजगी का कोई कारण नही है जिसे आप उचित ठहरा पाये । मैं कारण हूँ और कोई दोषी नही हैं ।
4. स्थितप्रज्ञः प्यार दो बदले मे चाहे कोई घृणा आपकी तरफ भेजे । इस तरह से जितने भी प्राणी मात्र आपको परेशान नही करेगें ।
5. जब तक आपके मन मे कोई सपना है उसे पूरा करे, उसे ले कर न मरे । जो कुछ आपके मन मे आता है उसे ही करे ।
6. चुप रहना ही सोने मे सुहागा है, यह सबसे बडा गुण है । जैसे आप चुम्बक के दो पोलो को अलग नही कर सकते है, चाहे आप चुम्बक को कितना भी छोटा न कर ले । इस तरह अच्छाई बुराई भी दो पोल की तरह है ।
7. अपने को इतिहास से अलग कर ले, आज मे जियो इतिहास को मिटा डालो ।
8. जिस दिमाग से समस्या बनी है उसी से उसे हल नही कर सकते है । मान लो कि तुम गलत हो और नये सिरे से सोचो ।
9. अपने को उसी तरह से देखो जैसे तुम चाहते हो । हर काम का पुरखा एक बिचार है ।
10. अपने मे जो दिव्य तत्व है उसे पहिचानो ।

दसवी सदी के त्रिलोचन के आधार पर

Umesh Rashmi Rohatgi 24161 Nilan Drive Novi MI 48375 USA Phone (248) 471-5786

Web Page : www.rurohatgi.com Email: rurohatgi@yahoo.com